RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : सोमवार 13 नवंबर 2023 | वर्ष 05 | अंक 202 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

दिवाली उत्सव के दौरान माहौल खराब करने गए थे उद्धव... लोगों ने अपनी ताकत दिखाई

सीएम एकनाथ शिंदे का पलटवार....

सीएम शिंदे ने उद्धव ठाकरे की चेतावनी को बताया 'कोरी धमकी'

महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। ठाणे जिले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) की 'शाखा' तोड़े जाने को लेकर पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की चेतावनी को 'कोरी धमकी' करार दिया। दरअसल, उद्धव ठाकरे ने शाखा तोड़े जाने को लेकर कहा था कि सता में बैठे सभी लोगों की एक दिन सबक सिखाया जाएगा। उद्धव ने आरोप लगाया कि ठाणे में उनकी पार्टी का स्थानीय कार्यालय (शाखा) तोड़ा गया है। सत्ताधारी पार्टी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

"उन्हें शाखा स्थल से वापस आना पड़ा"

एकनाथ शिंदे ने रविवार को एक दिवाली कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि शनिवार को जब उद्धव ठाकरे ने मुंब्रा में 'शाखा' स्थल का दौरा करने की कोशिश की, तो उन्हें वापस आना पड़ा। ठाकरे की यात्रा कुछ और नहीं बल्कि दिवाली उत्सव के दौरान बाधा पैदा करने का प्रयास था। उद्धव, शिवसेना (यूबीटी) के शीर्ष नेताओं के साथ पार्टी की तोड़ी गई शाखा का दौरा करने के लिए मुंब्रा गए थे, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली शिवसेना के कार्यकताओं के विरोध का सामना करना पड़ा था।

कार्यकताओं ने काले झंडे दिखाए

कार्यकताओं ने नारे लगाए और उन्हें काले झंडे दिखाए। स्थिति तनावपूर्ण होने पर उद्धव और उनकी पार्टी के नेता वहां से चले गए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आरोप लगाया कि उद्धव की यात्रा दिवाली उत्सव के दौरान बाधा उत्पन्न करने के प्रयास के अलावा और कुछ नहीं थी।

"शिवसैनिकों के पटाखे जलाने पर जाना पड़ा"

सीएम शिंदे ने कहा, "मुंब्रा में शिवसैनिकों के पटाखे जलाने पर उन्हें वहां से जाना पड़ा। शक्ति प्रदर्शन इतना तीव्र था कि शिवसेना यूबीटी नेताओं को पीछे हटना पड़ा।" उन्होंने दावा किया कि हाल के ग्राम पंचायत चुनावों में शिवसेना (यूबीटी) सातवें स्थान पर चली गई और अगले चुनावों में वह 10वें स्थान पर खिसक जाएगी, क्योंकि लोग उसे करारा जवाब देंगे। मुख्यमंत्री ने 'शाखा' भूमि पर अतिक्रमण को लेकर उद्धव के आरोपों पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह उत्सव के माहौल को बर्बाद नहीं करेंगे और अपने काम के जरिये आरोपों का जवाब देंगे।

महाराष्ट्र में फिर गरमाएगा मराठा आरक्षण का मुद्दा?

मनोज जरांगे करेंगे राज्य का दौरा... दी ये चेतावनी

पिछले कुछ दिनों से मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर राज्य में माहौल गरमाया हुआ है . मराठा आरक्षण के लिए भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जरांगे का अस्पताल में इलाज चल रहा था. आज उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. इससे पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत की. कहा गया है कि इस साल दिवाली नहीं मनाई जाएगी. मैंने अपने परिवार से बात नहीं की है, शायद मेरा परिवार दिवाली नहीं मनाएगा.

जरांगे पाटिल ने इस समय कहा है कि मराठा आरक्षण के लिए कई लोगों ने आत्महत्या की है, इसलिए वे दिवाली नहीं मनाएंगे. लेकिन जरांगे ने कहा है कि वह दो दिन के आराम के तुरंत बाद महाराष्ट्र का दौरा शुरू करेंगे.

क्या बोले मनोज जरांगे?

जरांगे का कहना है कि, मराठा आरक्षण के लिए कई भाइयों ने आत्महत्या कर ली है. मैं दिवाली नहीं मनाऊंगा. समाज की अपेक्षाएं बदल गई हैं इसलिए उन्हें नहीं लगता कि वे दिवाली मनाएंगे. सरकार से एक ही अनुरोध है कि 24 दिसंबर तक आरक्षण दे दिया जाए. मनोज जरांगे ने कहा कि वह अब ठीक महसूस कर रहे हैं, इसलिए उन्हें छुट्टी दी जा रही है. इसके तुरंत बाद वह आत्महत्या करने वाले भाइयों के परिवारों से मुलाकात करेंगे. इसमें मराठवाड़ा, पश्चिम महाराष्ट्र, कोंकण, मुंबई का दौरा शामिल होगा. यह कहते हुए कि सभी मराठा भाइयों को 24 दिसंबर तक आरक्षण मिलेगा, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दौरा सरकार पर दबाव बनाने के लिए नहीं है, बल्कि लोगों से मिलने के लिए है.

की ये अपील

कई मराठा भाइयों को सरकार से कुनबी प्रमाणपत्र मिलना शुरू हो गया है. सरकार से एक ही अनुरोध है कि 24 दिसंबर तक आरक्षण दे दिया जाए. मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, एसपी सभी से अनुरोध है, जल्द से जल्द कार्रवाई करें, अन्यथा दोबारा मत कहना कि मराठा आ गए. इसे धमकी समझें या कुछ और. मनोज जरांगे ने नेताओं और मंत्रियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे सत्ताधारी नेताओं से कह रहे हैं कि वे गरीब मराठों पर अत्याचार न करें, नहीं तो मराठा समुदाय से टकराव हो सकता है.

आत्महत्या पर कही ये बात

साथ ही मनोज जरांगे ने मराठा समाज के भाइयों से पुरजोर अपील करते हुए कहा कि कोई भी आत्महत्या न करें, हम आरक्षण लेकर रहेंगे. मैं तुमसे कह रहा हूं कि आत्महत्या मत करो. साथ ही ओबीसी नेताओं को जिद्दी होकर माहौल खराब नहीं करना चाहिए और अपनी राजनीतिक जिद नहीं छोड़नी चाहिए. उन्होंने कहा, "ओबीसी नेताओं से ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं, वे हमारे बारे में नहीं सोचते."

लोकल ट्रेन में मिलेगा चाय और समोसा

फेरीवालों को लाइसेंस देगी मध्य रेलवे...

मुंबई : ट्रेनों में अनधिकृत फेरीवालों की समस्या से निपटने के लिए मध्य रेलवे के मुंबई डिवीजन ने मेल/एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों के साथ-साथ उपनगरीय ट्रेनों में वेंडिंग अवसरों के लिए दो महत्वपूर्ण ई-नीलामी की घोषणा की है। पहली ई-नीलामी में मेल/एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों की सभी श्रेणियों में खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं को छोड़कर, विभिन्न विविध वस्तुओं की वेंडिंग शामिल है। लेकिन महानगरी एक्सप्रेस, राजधानी, दुरंतो और अन्य प्रीमियम ट्रेनों को इस पहल से बाहर रखा गया है। दूसरी ई-नीलामी उपनगरीय ट्रेनों की सभी श्रेणियों में खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की वेंडिंग पर केंद्रित है। जिसमें एसी और नॉन-एसी लोकल और माथेरान टॉय ट्रेनों सहित यात्री ट्रेनें शामिल हैं। विक्रेताओं की संख्या निर्धारित करके डिवीजन सीमा के भीतर काम करने की अनुमति दी जाएगी। सभी मेल/एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनों के लिए, अधिकतम 500 विक्रेता निर्धारित किये गए हैं, जबकि सभी उपनगरीय ट्रेनों के लिए प्रभावशाली 1500 विक्रेता है।

28 नवंबर को खुलेगी ई-नीलामी

ई-नीलामी 28 नवंबर 2023 को उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों ट्रेनों के लिए अलग-अलग खुलने वाली है। ई-नीलामी के बारे में विस्तृत जानकारी www. ireps.gov.if पर पाई जा सकती है, जो संभावित विक्रेताओं को एक व्यापक जानकारी प्रदान करेगी।

फेरीवालों को सामान बेचने का दिया गया मौका

मिली जानकारी के अनुसार, लाइसेंसधारक को गैर-कंसुमेबल वस्तुएं जैसे की यात्रा-संबंधित उत्पाद, मोबाइल/लैपटॉप सहायक उपकरण, स्टेशनरी, समाचार पत्र/पत्रिकाएं/किताबें आदि बेचने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त पैक किए गए भोजन सहित, पेय पदार्थ, स्नैक आइटम, और पहले से कटी और छिली हुई कच्ची सब्जियां और फल भी उपनगरीय ट्रेनों में विशेष रूप से कंसुमेंबल वस्तुओं की अनुमति है।

11 साल पुराने डकैती के मामले में मकोका के तहत आरोपी चार लोग बरी

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक विशेष अदालत ने वर्ष 2012 में एक कॉलेज में डकैती के लिए महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत आरोपी बनाए गए चार लोगों को बरी कर दिया है। मकोका अदालत के विशेष न्यायाधीश अमित एम शेटे ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा है, ऐसे में उन्हें संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए और बरी किया जाना चाहिए। कथित आरोपियों की उम्र 33 से 50 वर्ष है और वे ठाणे के उल्हासनगर क्षेत्र एवं पड़ोसी पालघर जिले के नाला सोपारा के निवासी हैं। सुनवाई की अवधि के दौरान एक अन्य आरोपी की मौत हो चुकी थी, ऐसे में उसके खिलाफ मुकदमा निरस्त कर दिया गया।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

उभरते बाजारों का मजबूत प्रदर्शन

महामारी के दौरान किए गए नीतिगत समायोजन को समाप्त करने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मार्च 2022 के बाद नीतिगत दरों में तेज इजाफा किए जाने के बाद तमाम उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं में टैपर टैंट्रम 2.0 (केंद्रीय बैंक द्वारा परिसंपत्ति खरीद कार्यक्रम को कम करना) का डर गहरा हो गया था। बहरहाल चिंताओं के बावजूद भारत समेत उभरते बाजारों ने उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। इससे पता चलता है कि जहां अमेरिका तथा अन्य विकसित देशों में नीतिगत सख्ती वित्तीय बाजारों में उथलपुथल पैदा कर सकती है और उभरते बाजारों की वित्तीय स्थिति तंग बना सकती है, वहीं मजबूत घरेलू बुनियाद अर्थव्यवस्था को विपरीत आर्थिक झटकों से बचा सकती है। सैन फ्रांसिस्को के फेडरल रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों के एक विश्लेषणात्मक आलेख ने भी इस दलील को मजबूती प्रदान की।

आलेख में 16 उभरते बाजारों के 10 वर्ष के सरकारी बॉन्ड के प्रतिफल में बदलाव को ध्यान में रखकर यह आकलन किया गया कि वैश्विक बाजार ने फेडरल रिजर्व की नीतिगत सख्ती को लेकर क्या प्रतिक्रिया दी? परिणाम दिखाते हैं कि उभरते बाजारों में चालू खाते के घाटे में मानक विचलन बढ़ने के कारण नीति सख्त होने की शुरूआत के पश्चात पहली छमाही में 10 साल के सरकारी बॉन्ड के प्रतिफल में केवल 40 आधार अंक का इजाफा हुआ। सांख्यिकीय दृष्टि से महत्त्वपूर्ण यह संबंध दिखाता है कि चालू खाता अधिशेष वाले देशों में कम बदलाव नजर आया और वे नीतिगत सख्ती को झेलने के मामले में चालू खाता घाटे वाले देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में थे।

इसके अलावा स्वास्थ्य और समाज कल्याण पर महामारी से संबंधित राजकोषीय व्यय ने भी 10 वर्ष के बॉन्ड प्रतिफल विस्तार को बहुत अधिक प्रभावित नहीं किया। ऐसा इसलिए भी हो सकता है कि मौजूदा राजकोषीय बाधाओं के कारण विभिन्न देशों ने कम खर्च किया। ऐसे में उभरते बाजारों का चालू खाते का बढ़ा हुआ घाटा उस स्थिति में एक बड़ी वृहद आर्थिक कमी हो सकता है जब वैश्विक वित्तीय हालात अचानक सख्त हों। टैपर टैंट्रम 2013 में हुआ था जब 2008 के वित्तीय संकट के बाद प्रतिभूतियों की खरीद करने वाले अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने क्वांटिटेटिव ईजिंग के इस कार्यक्रम को सीमित करने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद भारत जैसे उभरते बाजारों में पूंजी की आवक अचानक कम हो गई। इससे पूंजी बाहर गई। उस समय भारत का चालू खाता घाटा बढ़ा हुआ था और उसे इसकी भरपाई करने की जरूरत थी। इस घटनाक्रम के बाद रुपये के बाहरी मूल्य में तेजी से कमी आई। उल्लेखनीय है कि भारत इस संकट का सामना करने वाला अकेला देश नहीं था। कई उभरते बाजार इसी तरह के हालात से जूझ रहे थे।

बहरहाल, इस बार हालात एकदम अलग हैं। भारत ने हालात का बेहतर प्रबंधन किया है जिसकी वजह से मुद्रा बाजार में स्थिरता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार तैयार करने के हर अवसर का लाभ उठाया। 2020 में फेड सहित बड़े केंद्रीय बैंकों द्वारा नकदी उपलब्ध कराए जाने के बाद आई पूंजी ने भी इसमें मदद की। 2022 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 640 अरब डॉलर हो गया था। वैश्विक ब्याज दरों में अचानक इजाफा तथा यूक्रेन युद्ध के कारण जिंस कीमतों में तेज बदलाव के कारण पूंजी बाहर गई परंतु रिजर्व बैंक ने हालात का अच्छी तरह प्रबंधन किया। भारत तथा अन्य उभरते देशों द्वारा मुद्रास्फीति को निशाना बनाने से भी मदद मिली। भारत तथा अन्य उभरते देश मौद्रिक नीति संबंधी कदमों को लेकर और स्वतंत्र ढंग से कदम उठा सके जिससे वित्तीय बाजारों का भरोसा बहाल करने में मदद मिली। रिजर्व बैंक ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और चालू खाते के घाटे में कमी ने भी मदद की है लेकिन वृहद आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम बरकरार है। वैश्विक निवेशकों के बीच कम जोखिम लेने की क्षमता, बिगड़ते भूराजनीतिक हालात और निरंतर बढ़ा हुआ राजकोषीय घाटा चुनौतियां बढ़ा सकता है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

भिवंडी में मंदी व आर्थिक तंगी से दीपावली त्यौहार का रौनक गायब

मुस्तकीम खान

भिवंडी : विगत कई वर्षों से लगातार कपड़ा व्यापार में मंदी व आर्थिक तंगी का भीषण संकट झेल रहे पावरलूम उद्योग से जुड़े कारखाना मालिक व मजदूरों की दीवाली इस वर्ष फीकी हो रही है।मालिक व मजदूर कैसे दीवाली मनाए उनके सामने समस्या बन गई है।जबकि मार्केट से मंदी के कारण दीवाली का रौनक गायब है।जिसे लेकर लोगों में कोई उत्साह नहीं दिखाई दे रहा है।दीवाली से पहले लूम उद्योग से जुड़े व्यापारी दिवालिया होने की कगार पर खड़े हैं।

पावरलूम उद्योग नगरी भिवंडी पिछले एक दशक से भीषण आर्थिक संकट व मंदी के दौर से जूझ रही है। व्यापार में भारी घाटा उठा रहे लूम कारखाना मालिक व कपड़ा व्यवसाय से जुड़े व्यापारी की पूरी पूँजी लगभग टूट चुकी है। सैकड़ों कपड़ा व्यापारी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। इसी कारण भिवंडी में आने वाला दिवाली का त्यौहार भी केवल औपचारिकता के तौर पर मनाया जाएगा।जिसका कारण मार्केट से पैसे का गायब होना है। शिबली टेक्सटाइल के मालिक तहजीब शेख का कहना है कि दूसरे प्रदेश के व्यापारी कम भाव में कपड़ा की मांग करते है ।इस कारण ,कारखाना मालिको को अपना कपड़ा घटे में बेचना उनकी मजबूरी बन गई है। पहले से उत्पादन किया हुआ कपडे का भारी स्टाक जमा है।

इसके साथ ही कपड़ा व्यापार जगत से जुड़े लोगों का यह भी मानना है कि लागत से कम दाम में कपड़ा खरीदने वाले बड़े व्यापारी कपड़ा खरीदते हैं । कैश में बेचे हुए कपडे की पेमेंट एक माह में मिलती है और उधारी(क्रेडिट) में बेचे हुए कपडे का पेमेंट अब 60 दिन की जगह 90 दिन व 120 दिन में भी मिलना मुश्किल हो गया है ।पूरी पूँजी का पैसा बाजार में उधार डालकर आज ग्रे कपड़ा व्यापारी कंगाल हो गया है ।बाजार में कब किसका दिवाला निकल जाएगा इसका कोई भरोसा नहीं है ।इस बात से कपड़ा व्यापारी व यार्न व्यापारी की नींद हराम हो गयी है ।एक दशक में आर्थिक घाटे के कारण एक दर्जन व्यापारी ने करोड़ों रुपये का दिवाला मारकर भूमिगत हो गए है ।आर के टेक्सटाइल्स के मालिक राकेश केसरवानी व पॉवरलूम उद्योग से जुड़े उद्योगपति व कारोबारियों का कहना है कि बाजार में रोटेशन से धंधा करने वाले कब तक इसकी टोपी उसके सिर फिराते रहेंगे। ऐसी स्थिति में न तो लूम मालिक के पास दीवाली मानाने का पैसा है और न ही वे इस वर्ष अपने मजदूरो को दीवाली पर बोनस व मिठाई देने के मुड़ है ।पैसे के आभाव में लूम उद्योग से जुड़े लोग कैसे दीवाली मनाए उनके सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है ।कुल मिलकर तंगी व मंदी से जूझ रही लूम उद्योग से जुड़े लोग इस बार फीकी दीवाली होने जा रहा है ।जिसे लेकर लोगो में कोई उत्साह नहीं दिख रही है ।दीवाली से पहले बाजार से दीवाली की रौनक गायब है।

भिवंडी क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़े चार मोबाइल चोर, लाखों का सामान बरामद

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी में दो अलग अलग क्षेत्रों से जाल बिछाकर क्राइम ब्रांच 2 के पुलिस ने चार चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1 लाख 14 हजार रुपए कीमत का 6 चोरी का मोबाइल व चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाला अन्य सामान बरामद किया है ।इन आरोपियों के पकड़े जाने से चोरी के चार मामलों का पदार्फास हो गया है।

भिवंडी क्राइम ब्रांच के सीनियर पीआई सचिन गायकवाड ने बताया कि पुलिस को मुखबीर से 10 नवंबर को सूचना मिली कि स्थानीय भादवड़ नाके स्थित मुग्धा चयानीज होटल के सामने दो चोर मोबाइल बेचने आने वाले है। सूचना को गंभीरता से लेकर सीनियर पीआई ने पुलिस की एक टीम को उक्त जगह पर जाल बिछाकर मोबाइल बेचने के लिए आए इरफान अयूब शेख(35) नवीबस्ती व अख्तर अमीर शेख(50) टेमघर को गिरफ्तार किया ।जिसके पास से पुलिस ने जबरी चोरी के दो मोबाइल व चोरी के लिए इस्तेमाल किए गए बाइक सहित 69 हजार का सामान बरामद किया। जिनकी गिरफ्तारी से भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में दो दिन पहले दर्ज जबरी मोबाइल चोरी के दो मामले उजागर हो गया है ।इसी तरह उक्त पुलिस ने नवीबस्ती के नेहरूनगर इलाके में स्थित हनुमान मंदिर के पास से जाल बिछाकर असफाक हनीफ शेख उर्फ कालिया(28) व रफीक रहमान शेख(35)को गिरफ्तार कर इनके पास से चोरी के चार मोबाइल बरामद किया है ।जिसकी कीमत 45 हजार 800 रुपया है ।इन आरोपियों के पकड़े जाने से निजामपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज दो जाबरी मोबाइल चोरी का पदार्फास हो गया है ।इन आरोपियों की गिरफ्तारी से मोबाइल चोरी की बढ़ती घटना पर अंकुश लगने की संभावना बढ़ गई है।

मुंबई में मुसलमानों को घर मिलना हुआ मुश्किल, नाम पूछ कर किया जाता है इनकार

मुंबई : भारतीय संविधान में हर भारतीय नागरिक को देश के किसी भी कोने में रहने, व्यापार करने, जमीन खरीदने और बेचने के अधिकार है। लेकिन ऐसा लगता है कुछ विशेष समुदाय के लोगों को घर खरीदने या किराए पर नहीं देने की साजिश चल रही है। हाल ही में मराठी महिला को घर देने से सोसायटी के लोगों ने मना कर दिया था। मुसलमानों को घर किराए पर ना देना आम बात होती जा रही है। घर की खरीदना और किराए पर लेना बड़ा मुश्किल हो गया है इस तरह का आरोप मुंबई के मुस्लिम समुदाय के लोगों का है।

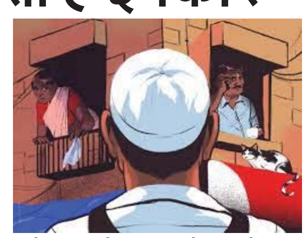

फिल्मी कलाकारों ने भी झेला है घर ना मिलने का दंश

मुंबई के घाटकोपर में तृप्ति देवरूखकर को मुलुंड में एक सोसायटी ने घर देने से इंकार कर दिया था जो काफी तूल पकड़ा, बड़ी बड़ी राजनीतिक पार्टियों में चर्चा हुई लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात रहा। ऐसे ही मीरारोड में एक मराठी परिवार को मकान नहीं दिए जाने का मामला जोर पकड़ा था, वहां भी नतीजा कुछ नहीं निकला। आए दिन मुसलमानों को घर नहीं देने के मामले प्रकाश में आते रहते हैं। लेकिन उसे कभी भी गंभीरता से नहीं लिया गया। क्योंकि इसके लिए कोई आगे नहीं आता और पीड़ित कहीं और मुस्लिम बहुल इलाके में घर तलाशने लगता है। फिर चाहे जानीमानी फिल्म कलाकार शबाना आजमी ही क्यों ना हों। इसके अलावा इमरान हाशमी, सैफ अली खान, जीनत अमान या फिर एजाज खान ही क्यों ना हों, सभी को मुंबई में घर नहीं मिलने की कसक कचोटती होगी। जबकि देश के संविधान के अनुसार देश के किसी भी राज्य में कहीं भी घर खरीदने का बेचने का सभी को अधिकार है। अगर ऐसा नहीं किया गया और घर देने से इंकार किया गया तो सेक्शन 295 के तहत घर नहीं देने वाला धर्म की तौहीन और धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाएं भड़काने का आरोपी माना जाता है। लेकिन दुश्मनी के डर से लोग घर ना देने वालों के खिलाफ आवाज नहीं उठाते हैं। प्रशासनिक महकमे के लोग, पुलिस और राजनीति से जुड़े लोग भी इस मामले को नजरअंदाज करते हैं।

यौन अपराधों से पुरुष भी सुरक्षित नहीं, 60 हजार रुपए वसूलने का आरोप

पुणे : पुणे से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया है। इस घटना से सवाल उठ रहा है कि यौन अपराधों से अब पुरुष भी सुरक्षित नहीं हैं। घटना के अनुसार, कुछ लोगों ने एक युवक के जबरन कपड़े उतरवाए और उसे नाचने के लिए मजबूर किया। यही नहीं, आरोपियों ने नाचते हुए शख्स का वीडियो भी बनाया और उसे वायरल कर दिया। मामला यही नहीं थमा, पीड़ित ने आरोपियों पर ६० हजार रुपए वसूलने का आरोप भी लगाया है। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सभी आरोपी और शिकायतकर्ता एक ही गांव के रहनेवाले हैं। शिकायत के अनुसार, आरोपियों में से एक पीड़ित को किसी बहाने अपने घर ले गया। जब पीड़ित घर पहुंचा तो वहां अन्य लोग भी मौजूद थे। इसके बाद सभी ने पीड़ित को कपड़े उतारने को कहा। सभी लोग इसका आनंद ले रहे थे। इसके बाद सभी ने पीड़ित को नाचने के लिए मजबूर किया। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया है कि जब वह नाच रहा था तो लोगों ने उसका वीडियो बना लिया।

आकर्षक झालर रोशनी से जगमगाया डोंबिवली

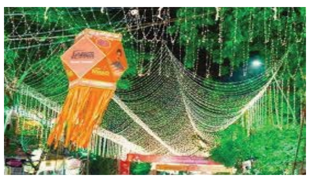

डोंबिवली : डोंबिवली के फड़के रोड इलाके में हर साल मनसे विधायक राजू पाटिल की संकल्पना से बिजली की रोशनी की जाती है. इस वर्ष डोंबिवली के प्रसिद्ध श्री गणेश मंदिर देवस्थान के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मनसे विधायक राजू पाटिल की ओर से मंदिर क्षेत्र में आकर्षक विद्युत प्रकाश व्यवस्था की गई है और फड़के रोड क्षेत्र और मंदिर क्षेत्र को रोशन किया गया है विद्युत प्रकाश व्यवस्था. हिंदू नववर्ष और दिवाली पर डोंबिवली के फड़के रोड पर बड़ी संख्या में डोंबिवली इकट्ठा होते हैं। मनसे विधायक राजू पाटिल की ओर से इस इलाके को बिजली की रोशनी से विशेष रूप से आकर्षित किया गया . इस साल भी इस इलेक्ट्रिक लाइटिंग को और आकर्षक बनाया गया है. श्री गणेश मंदिर देवस्थान के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष आकर्षक विद्युत सज्जा भी की गई है। इस वर्ष, चूंकि शतकम महोत्सव श्री गणेश मंदिर का है, मनसे विधायक राजू पाटिल ने मंदिर परिसर में विद्युत प्रकाश व्यवस्था प्रदान करने की इच्छा व्यक्त की। देवस्थानम समिति ने उसे तत्काल मंजूरी भी दे दी। शुक्रवार शाम को मनसे जिला अध्यक्ष प्रकाश भोईर, गणेश मंदिर संस्था अध्यक्ष अलका मुतालिक, ट्रस्टी राहुल दामले ने इस विद्युत सज्जा का उद्घाटन किया. डोंबिवली शहर अध्यक्ष राहुल कामत, मनसे क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दीपिका पेडणेकर, जिला संगठक हर्षद पाटिल, शहर सचिव संदीप म्हात्रे महिला शहर सचिव कोमल पाटिल और बड़ी संख्या में डोंबिवलीकर और महाराष्ट्र के सैनिक उपस्थित थे।

48 साल पहले पुनर्वास का वादा, 2 पीढ़ियां गुजरीं पर नहीं मिला...

अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिया पोते को फ्लैट देने का आदेश

मुंबई : यह लंबे समय से विलंबित न्याय के लिए एक लंबा अटसीएम आ''न है। क्या सरकार नागरिकों से ऐसे सलूक करती है? यह बातें बॉम्बे हाईकोर्ट ने कही। हाई कोर्ट हैरान था कि एक शख्स को पुनर्निवास योजना के तहत फ्लैट के लिए इतना लंबा इंतजार करना पड़ा। परिवार ने परेल गांव के पटेलवाड़ी में 16 मंजिला इमारत में फ्लैट दिया जाना था जो उन्हें लगभग आधी सदी तक नहीं मिला। हाई कोर्ट ने फटकार लगाते हुए म्हाडा को आदेश दिया है कि शख्स के पोते को आवास आवंटित करें। न्यायमूर्ति गौतम पटेल और कमल खाता ने कहा, 'याचिकाकर्ता और उसके परिवार ने एक पुनर्निवास के लिए फ्लैट का आवेदन किया। आवंटन के लिए पूरे 48 वर्षों का इंतजार किया है। पिछले सात हफ्तों से, 6 अक्टूबर से हमें बताया गया है... यह किसी भी समय आवंटित किया जाएगा। और यह केवल अब है कि हमें बताया जाता है कि इसे आवंटित नहीं किया जा सकता है क्योंकि विचाराधीन मकान 579 वर्ग फुट है और जाहिर तौर पर याचिकाकर्ता का हक केवल 300 वर्ग फुट है।'

रवींद्र भटूस ने दायर की याचिका

34 वर्षीय रवींद्र भटूस की याचिका के अनुसार, नवंबर 1975 में, उनके दादा को भायखला के जेनाब मंजिल में उनका 106 वर्ग फुट का कमरा खाली करने के लिए नोटिस जारी किया गया था। यह नोटिस एंटॉप हिल पारगमन शिविर में भेज दिया गया था। उन्हें 2018 में दूसरी बार बेदखल किया गया क्योंकि पारगमन भवन जीर्ण-शीर्ण हो गया था। चूंकि उन्हें फिर से आवास नहीं दिया गया था, इसलिए वे अपने गांव चले गए। फरवरी 2010 में, दादा लंबे समय से मृत, लंबे समय से बेदखल, लंबे समय से इस शहर से निर्वासित को स्थायी वैकल्पिक आवास के लिए योग्य ठहराया गया था। हाई कोर्ट के समक्ष, उनके वकीलों, यशोदीप देशमुख और आकाश जयस्वार ने कहा कि बार-बार पूछताछ और अभ्यावेदन के बावजूद, भटूस को उनकी पात्रता के अनुसार परिसर

14 साल पहले दादा की मौत

अक्टूबर 2007 में रवींद्र के दादा और जुलाई 2009 में उनकी दादी की मृत्यु हो गई। इससे पहले जनवरी 1996 में उनके बेटे की मृत्यु हो गई थी, जो अपने पीछे विधवा और पोते रवींद्र को छोड़ गए थे। कोर्ट ने दुख जाहिर करते हुए कहा, 'एक पीढ़ी चली गई। दूसरी पीढ़ी आंशिक रूप से चली गई है। फिर भी आवास दिए जाने का कोई संकेत नहीं था।

अस्पताल के संचालन में धोखाधड़ी... पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई : कांदिवली की एक वकील, जो आंशिक रूप से अपने दिवंगत पति द्वारा संचालित अस्पताल की मालिक थीं, उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी भाभी ने उनके दुख का फायदा उठाकर गलत तरीके से अस्पताल पर कब्जा कर लिया है। समता नगर पुलिस ने दोनों ननद-भाभी पर धोखाधड़ी और अतिक्रमण का मामला दर्ज किया है। उसकी शिकायत के आधार पर, समता नगर पुलिस ने दोनों आरोपियों पर आईपीसी की धारा 323, 341, 406, 420, 452, 504, 506 के तहत मामला दर्ज किया है। सुचिता मधेकर ने पुलिस को बताया कि वह और उनके पति डॉ. कमलेश मधेकर, जिनका पिछले साल नवंबर में निधन हो गया था, कांदिवली पूर्व में संचेती अस्पताल के संयुक्त निदेशक थे।

ईडी किसी भी भाजपाई पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है - बच्चू कडू

मुंबई : मराठा-ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर महाराष्ट्र का माहौल गरमाया हुआ है। दूसरी ओर ऐसा लगता है कि देशभर में विपक्षी नेताओं को परेशानी में डालने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विपक्षी दल लगातार इसके खिलाफ आवाज उठा रहा है। विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल केवल विपक्षी नेताओं से पूछताछ करने और उन्हें जेल में डालने के लिए कर रही है। अब सत्ता पक्ष के ही एक विधायक ने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाया है। शिंदे सरकार में शामिल विधायक बच्चू कडू ने जांच एजेंसियों के कामकाज पर उंगली उठाई है। जब उनसे ईडी की कार्रवाई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं अब भाजपा के साथ हूं।' लेकिन मेरा सीधा सवाल यह है कि भाजपा को इस बात का जवाब देना चाहिए कि ईडी किसी भी भाजपाई पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। इस बात को लेकर एक आम कार्यकर्ता भी आश्चर्यचकित है।

राकांपा, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और कांग्रेस नेताओं की ईडी द्वारा जांच की जा रही है, लेकिन भाजपा नेताओं की जांच नहीं हो रही है। बच्चू ने कहा कि शिंदे गुट के नेताओं की भी ईडी ने जांच की थी, लेकिन अब वे सत्ता में बैठे हैं, ऐसा उन्होंने मुंबई में एक मिडिया को दिए गए इंटरव्यू में कहा। राजनीतिक लोगों में मानवता नहीं बची है। कौन मरता है। उसकी अपेक्षा हमें क्या मिलता है, उनके लिए यह महत्वपूर्ण है। इस भूमिका के कारण ईश्वर, देश, राज्य सब पीछे छसीएम गए हैं। महाराष्ट्र, देश डूब जाए, वह चलेगा, लेकिन झंडा हमारा लगाना चाहिए, ऐसा तंज बच्चू कडू ने आरक्षण के मुद्दे पर राजनेताओं पर कसा। आरक्षण की इस आग पर कई लोग अपनी केतली गर्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में उपलब्ध कुनबी अभिलेख निजाम काल के हैं, लेकिन कुछ लोग गलत बयानबाजी करके लोगों के बीच भ्रम पैदा कर रहे हैं, ऐसा तंज कडू ने छगन

बैंक कर्मचारी ने सी लिंक से कूदकर की आत्महत्या

तीन महीने पहले हुआ था ब्रेकअप

मुंबई : 28 साल के एक शख्स ने बांद्रा वर्ली सी लिंक से कूदकर आत्महत्या कर ली है। आत्महत्या करने वाला शख्स एक निजी बैंक का कर्मचारी था। वर्ली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, आकाश सिंह (28) नाम के शख्स ने शुक्रवार रात 8 बजे बांद्रा वर्ली सी लिंक से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कहा कि सिंह को बीकेसी से परेल के लिए टैक्सी लेनी थी लेकिन उन्होंने ड्राइवर से वर्ली सी लिंक लेने के लिए कहा। जब टैक्सी सी लिंक पर पहुंची तो सिंह मोबाइल पर बात करने लगा और अचानक कहा कि उसका मोबाइल गिर गया है और उसे टैक्सी के किनारे रख दिया। ड्राइवर ने टैक्सी को सी लिंक पर एक तरफ खड़ा कर दिया, जिसके बाद सिंह टैक्सी से उतर गए और समुद्र में कूद गए।

सिंह के कूदते ही चालक ने इसकी सूचना टोल प्लाजा पर तैनात कर्मियों को दी। जिसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही वर्ली पुलिस टीम ने पुलिस नाव, फायर ब्रिगेड और स्थानीय मछुआरों की नाव की मदद से समुद्र में कूदे व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी। खोजते समय, सिंह पानी में पाए गए और उन्हें बांद्रा के होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने भर्ती करने से पहले उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आकाश सिंह अपने माता-पिता के साथ परेल में रहता था और उसकी दो बहनें हैं। जिनकी शादी हो चुकी है।

बाजारों में चाइनीज लाइटों से अधिक भारतीय लाइटों की डिमांड

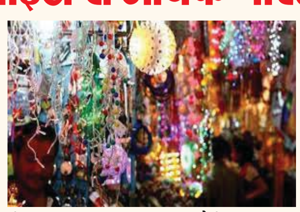

मुंबई : दिवाली को लेकर घरों की सजावट करने के लिए बाजारों में इलेक्ट्रिक एलईडी मालाओं की खूब मांग हो रही है। चाइनीज लाइटों से अधिक भारतीय लाइटों से बाजार भरे हुए हैं, इस बार चाइनीज लाइटों को लोग कम ही खरीद रहे हैं, क्योंकि इन पर हिंदुस्थानी लाइटें भारी पड़ती नजर आ रही हैं। बाजारों में हिंदुस्थानी दीयों की भारी डिमांड है। अगर ऐसा रहा तो चीनी अर्थव्यवस्था औंधे मुंह गिर जाएगी, क्योंकि हिंदुस्थान का बाजार काफी बड़ा है।

बता दें कि शहर के बाजारों से लेकर गली-गली इलेक्ट्रिक डेकोरेशन आइटम की दुकानें सजी हुई हैं। लेकिन इलेक्ट्रिक सजावट वाली दुकानों पर चीन की निर्मित लड़ियां नाम मात्र है। दुकानदार भी स्वदेशी निर्मित इलेक्ट्रिक लड़ियों से लेकर उपकरण बेचने में प्राथमिकता दे रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार, इस बार पिछले साल की तुलना में रंग बिरंगी लड़ियों के दामों में गिरावट है।

विश्वासपात्र नहीं, गद्दार..

महाराष्ट्र में भिड़े एकनाथ शिंदे गुट के सीनियर नेता गजाननत कीर्तिकर और रामदास कदम

मुंबई : शिंदे सेना के दो वरिष्ठ नेता सांसद गजानन कीर्तिकर और पूर्व कैबिनेट मंत्री रामदास कदम के बीच आरोप-प्रत्यारोप खत्म ही नहीं हो रहा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दोनों नेताओं को संयम बरतने को कहा था, लेकिन ऐन दिवाली पर दोनों ने एक बार फिर एक-दूसरे पर उंगली उठाई है। रामदास कदम ने गजानन कीर्तिकर पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें पार्टी पर छुरा नहीं चलाना चाहिए। इसके जवाब में गजानन कीर्तिकर ने रामदास कदम को गद्दार कह डाला। उन्होंने कहा कि गद्दार के मुंह से विश्वासघात जैसे शब्द निकालना हास्यास्पद है। इससे पहले कीर्तिकर की सीट को लेकर विवाद हुआ था। मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से अभी गजानन कीर्तिकर सांसद हैं। उनकी उम्र हो गई है। इस सीट पर रामदास कदम की नजर है। वह अपने बेटे के लिए मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से टिकट चाहते हैं। इस बात को लेकर भी दोनों के बीच तनातनी है।

कीर्तिकर पर भरोसा नहीं कर सकते: रामदास कदम

रामदास कदम ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता व सांसद गजानन कीर्तिकर पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन पर विश्वास नहीं कर सकते, क्योंकि बेटा तो उद्धव के साथ है और वे खुद शिंदे के साथ हैं। पिता-पुत्र एक ही कार्यालय में बैठते हैं, इसलिए आशंका है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी के साथ अन्याय न हो जाए। कदम ने आगे कहा कि गजानन कीर्तिकर शिंदे गुट से चुनाव लड़ना चाहते हैं, जबकि बेटा अमोल कीर्तिकर ठाकरे गुट से चुनाव लड़ सकता है, ऐसे में बेटे को निर्विरोध चुने जाने की साज़िश संभव है। पार्टी की पीठ में छुरा न घोंपा जाए। रामदास कदम के आरोपों का जवाब देते हुए सांसद गजानन कीर्तिकर ने कहा कि रामदास कदम की गद्दारी का लंबा इतिहास है।

एटीएम में घुसा, हथौड़े से तोड़ा और फिर लगाई आग...

इस चोर का सीसीटीवी फुटेज देखकर मुंबई पुलिस भी हुई हैरान

मुंबईः बोरीवली में चोरी का एक हैरान कर देने वाला मामला आया है। यह चोरी हुई नहीं लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी में जो देखा, वह दंग कर देने वाला था। एक चोर एटीएम में घुसा। उसने एटीएम को तोड़ने की कोशिश की। काफी कोशिश के बाद भी वह एटीएम नहीं तोड़ पाया तो उसने एटीएम को आग लगा दी ताकि आगे का हिस्सा जल सके और वह एटीएम के अंदर रखे रुपये निकाल सके। हालांकि तब भी वह सफल नहीं हुआ। काफी देर तक वह चोरी की कोशिश करता रहा लेकिन असफलता ही हाथ लगी। आखिरकार उसे खाली हाथ ही जाना पड़ा। बाद में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पेट्रोलिंग के दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सतारा निवासी ओंकार विलास शिलेवंत (22) के रूप में हुई है। इस मामले में बैंक के मैनेजर ने शिकायत दर्ज कराई थी। बोरीवली पुलिस के मुताबिक, बोरीवली पश्चिम के शिंपोली इलाके में बैंक ऑफ बड़ौदा की एक ब्रांच है। ब्रांच के बगल में एक एटीएम सेंटर भी है। 11 नवंबर को सुबह करीब 4.35 बजे बैंक के सर्विलांस विभाग में काम करने वाले एक व्यक्ति ने बैंक मैनेजर को फोन किया और बताया कि बैंक की एटीएम मशीन का डिस्प्ले जल गया है।

बैंक भी हुआ हैरान

शिकायत पर मैनेजर तुरंत एटीएम पहुंचे। प्रारंभिक जांच के बाद उन्होंने पाया कि किसी ने एटीएम मशीन को खोलने की कोशिश की थी। यह साफ था कि एटीएम को जलाने का प्रयास किया गया। बैंक ने एटीएम के अंदर लगे सीसीटीवी फुटेज निकालकर उसकी जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज पर दिखा युवक

सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि 25 से 30 साल की उम्र का एक व्यक्ति अंदर आया था। उसको मशीन को तोड़ने की कोशिश करते और फिर आग लगाते भी देखा गया। लेकिन जब वह पैसे लसीएम ने में असफल रहा तो वह भाग निकला।

पिछले दो महीने में मुंबई, ठाणे, पुणे और राज्य के अन्य स्थानों में रिकॉर्ड प्रदूषण

मुंबई : लगातार बढ़ रहा वायु प्रदूषण लोगों के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि खराब हवा कैंसर, हृदय रोग और मधुमेह की समस्याओं को जन्म दे सकती है। मानसून की विदाई के बाद, पिछले दो महीने में मुंबई, ठाणे, पुणे और राज्य के अन्य स्थानों में रिकॉर्ड प्रदूषण स्तर के कारण सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा दुर्लभ हो गई है। इससे न केवल प्रतिष्ठान और आम नागरिक, बल्कि चिकित्सक भी चिंतित हैं। 'मैया सोशल फ्रंट फाउंडेशन' नामक एनजीओ की सह-संस्थापक डॉ. दिव्या सिंह और फिटरफ्लाई के सीईओ डॉ. अरबिंदर सिंगल ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की।

डॉ. सिंह, जो दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में वरिष्ठ सर्जन भी हैं, उनका कहना है कि

मुंबई में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन में शामिल होंगे दलाई लामा

मुंबई : केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा और श्रीलंका एवं थाईलैंड के प्रधानमंत्री अगले महीने मुंबई में बौद्ध धर्म पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'धम्म दीक्षा' में भाग लेंगे। आठवले ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सम्मेलन 15 दिसंबर को वर्ली के स्पोर्ट्स स्टेडियम और 16 दिसंबर को महालक्ष्मी रेस कोर्स में आयोजित किया जाएगा। आठवले ने कहा कि डॉ. बी आर आंबेडकर ने 14 अक्टूबर, 1956 को नागपुर में बौद्ध धर्म अपनाने के बाद मुंबई में एक धम्म दीक्षा सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई थी, लेकिन उसी साल 6 दिसंबर को उनका निधन हो गया।

कमजोर तबके से जुड़े... ध्यान देना जरूरी है,

जानें बॉम्बे हाई कोर्ट ने धोबीघाट के धोबियों के लिए कही क्या बातें

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने महालक्ष्मी धोबीघाट के धोबियों के हितों की रक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बात कही है। कोर्ट ने कहा है कि समाज के कमजोर तबके से जुड़े धोबियों की समस्याओं के प्रति सचेत होकर उस पर ध्यान देना जरूरी है। वेलफेयर स्टेट होने के नाते कमजोर वर्ग के धोबियों की भलाई के लिए पर्याप्त कदम उठाना आवश्यक है। हाई कोर्ट में धोबियों की समस्या से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही है। यह याचिका डॉक्टर विजय मिश्रा ने दायर की है। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के बाद धोबी समुदाय की दिक्कतों की पड़ताल के लिए दो वकीलों को कमिश्नर के तौर पर नियुक्त किया है। इन्हें ट्रांजिट स्थल का दौरा करने का निर्देश दिया गया है। कमिश्नर को यह भी पता लगाने को कहा गया है कि एसआरए की

योजना से वास्तविक रूप से कितने धोबी प्रभावित हुए हैं। उन्हें कपड़े सुखाने के लिए कितनी जगह दी गई है। कोर्ट ने धोबी समुदाय के लोगों को मिलने वाले ट्रांजिट रेंट की मौजूदा स्थिति जांचने का भी निर्देश दिया है। अगली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एसआरए और डिवेलपर से जवाब मांगा है। हलफनामे में यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया है कि पुनर्वास की बिल्डिंग बनने के बाद धोबी समुदाय के लोगों को कपड़े सुखाने के लिए कैसी आधुनिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। बीएमसी और एसआरए इन कमिश्नर को जरूरी सूचनाएं उपलब्ध कराएं। याचिका पर 10 जनवरी 2024 को अगली सुनवाई होगी।

कपड़े सुखाने की कम जगह से परेशान

याचिका के अनुसार, धोबीघाट के बगल के भूखंड पर पुनर्वास योजना शुरू है, जिससे धोबियों की चिंता बढ़ गई है। कपड़े सुखाने के लिए ट्रांजिट के रूप में मिली जगह इनके लिए अपर्याप्त है। नियमित ट्रांजिट रेंट न मिलना भी इन लोगों की एक बड़ी शिकायत है। पिछले सौ साल से जिन पत्थरों पर कपड़े धोए जाते थे, उन्हें हेरिटेज घोषित कर दिया गया है। कपड़े सुखाने की जगह पर एसआरए की पुनर्वास से जुड़ी योजनाएं शुरू की गई हैं। हालांकि याचिका में धोबी तबके के लोगों का कहना है कि उनका पुनर्वास योजना से कोई विरोध नहीं है।

स्ट्रीट लाइट से जगमगाया टिटवाला क्षेत्र

कल्याण : टिटवाला ग्रामीण क्षेत्र में टिटवाला गणेशवाड़ी दरग्या के पास आदिवासी पाड़ा, टिटवाला मान्याच पाड़ा, ठाकुरपाड़ा आदिवासी पाड़ा, मांडा पूर्व में इंदिरानगर आदिवासी पाड़ा, बाल्यानी कटकरी वाडा आदिवासी पाड़ा, मोहने आरएस टेकड़ी आदिवासी पाड़ा, गलेगांव आदिवासी पाड़ा, गणेश विद्यालय आदिवासी पाड़ा टिटवाला निवासियों के लिए इन इलाकों में वर्षों से स्ट्रीट लाइट की कोई व्यवस्था नहीं थी। इन स्ट्रीट लाइटों को लगाने के संबंध में मजदूर संघ ने बार-बार ने नगर निगम से बात की थी और इस आदिवासी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को स्ट्रीट लाइट की सुविधा मिले, इस दृष्टि से नगर निगम आयुक्त ने प्रावधान रखने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष के नगर निगम बजट में क्षेत्र में 129 स्ट्रीट लैंप पोल लगाए गए हैं और उन पर लैंप लगाए जा रहे हैं।

सेप्टिक टैंक में विस्फोट

ठाणे : घोड़बंदर रोड इलाके में एक सेप्टिक टैंक फट गया। ठाणे नगर निगम ने बताया कि यहां के हाउसिंग सोसाइटी में सेप्टिक टैंक फटने की घटना हुई है। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। ठाणे नगर निगम क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख यासीन तडवी ने समाचार एजेंसी को बताया कि सेप्टिक टैंक फटने की घटना करीब रात 8.45 बजे की है। यासीन

तडवी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही फायरमैन और आरडीएमसी कर्मी साइट पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त दबाव के कारण टैंक में विस्फोट हो सकता है। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८९ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com